


shortstories

YMCA varsity V-C gets Homi J Bhabha award

CHANDIGARH: Dinesh Kumar, vice-chancellor, YMCA University of Science and Technology, Faridabad, has been selected for the Indian Science Congress Association's Homi J Bhabha Memorial Award for 2015. Stating that Prime Minister Narendra Modi would present the award, which carries a gold medal, to Kumar during the inaugural ceremony of 103rd Indian Science Congress in Mysuru on January 3, a university spokesman said that the award had been bestowed on him for his contribution to the development of science and technology in the country, specifically in the area of microelectronics engineering and semiconductor physics. **HTC**

HT Live Faridabad, Saturday, November 21, 2015  www.hindustantimes.com

03

YMCA VC to get Homi Bhabha Memorial Award

Prabhu Razdan

prabhu.razdan@hindustantimes.com

Prof Dinesh Kumar, who was recently appointed as new vice-chancellor of YMCA University of Science and Technology, Faridabad, has been selected for the Indian Science Congress Association's Homi J Bhabha Memorial Award for year 2015. Prime Minister Narendra Modi will present this prestigious award, which carries a gold medal, to Prof Dinesh Kumar during the inaugural ceremony of 103rd Indian Science Congress in Mysuru on January 3.

The University spokesman said

that the award has been conferred on him for his contribution to the development of science and technology in the country specifically in the area of Microelectronics Engineering and Semiconductor Physics.

The spokesman said that in a communication received from Nilangshu Bhushan Basu of Indian Science Congress, Kolkata, it has been mentioned that the association admires the tenor of Indian scientists who brave against various odds and still shine as a luminaries and set examples for the future generations. The Indian Science Congress Association instituted

THE UNIVERSITY SPOKESMAN SAID THE AWARD HAS BEEN CONFERRED ON HIM FOR HIS CONTRIBUTION TO SCIENCE AND TECHNOLOGY

this annual award in 1989 to commemorate the birth centenary of eminent scientist Homi J Bhabha. The award is given every alternate year to honour a distinguished scientist of the country, he added.

An eminent researcher, Prof Kumar began his academic

career in the year 1987 as a faculty at Kurukshetra University, Kurukshetra. His teaching and research career spans over 27 years. As a visiting professor and invited speaker, he has visited many countries including France, Germany, Italy, Austria, England, USA, Russia and Australia.

Talking to HT, Prof Dinesh said that he has obtained his Master and Ph.D degree from Cambridge University, UK. In 2003, and was awarded Commonwealth Fellowship by the Association of Commonwealth Universities, London to work again at Cambridge University.

A by-fellow of Selwyn College,

Cambridge, Prof Dinesh has published more than 100 research papers. He has been the director, UIET, Kurukshetra University and Coordinator of NPMASS project and also worked as the coordinator of Nano Mission Project. Before assuming charge as VC of YMCAUST, he was chairman of Electronic Science Department at Kurukshetra University, Kurukshetra. "I developed lab in Kurukshetra university after my return from UK and worked in the university till my appointment as Vice Chancellor of YMCA university, Faridabad a few days ago," Prof Dinesh said.

The Tribune

CHANDIGARH | THURSDAY | 19 NOVEMBER 2015

BRIEFLY

FARIDABAD

VC to be honoured

Prof Dinesh Kumar, Vice Chancellor, YMCA University of Science and Technology, here has been selected for the Indian Science Congress Association's Homi J Bhabha Memorial Award for 2015. Prime Minister Narendra Modi will present the award at the inaugural ceremony of 103rd Indian Science Congress in Mysuru on January 3. — TNS

The Tribune
(Haryana Edition)



CHANDIGARH | THURSDAY | NOVEMBER 19, 2015

north 02

INBRIEF

YMCA VARSITY VC SELECTED FOR HOMI BHABHA AWARD

Chandigarh: YMCA University of Science and Technology, Faridabad, vice-chancellor Prof Dinesh Kumar has been selected for Indian Science Congress Association's Homi J Bhabha Memorial Award for 2015. Prime Minister Narendra Modi would present the prestigious award, which carries a Gold Medal, to Prof Kumar during inaugural ceremony of 103rd Indian Science Congress in Mysuru on January 3, next. Spokesperson said that the award has been bestowed on him for his contribution to the development of science and technology in the country, specifically in the area of Microelectronics Engineering and Semiconductor Physics.

YOUR INDIA • YOUR PAPER

NBT

नवभारत टाइम्स

फास्ट न्यूज

VC को अवॉर्ड

फरीदाबाद स्थित वाईएमसीए
यूनिवर्सिटी के वीसी प्रो. दिनेश
कुमार को इंडियन साइंस कांग्रेस
असोसिएशन के होमी जे. भाभा
मेमोरियल अवॉर्ड 2015 के लिए
चुना गया है। (पीटीआई)

सुविचार
यस कालके के रिश्ते बाहर जब जीवन
जे बढ़ी जाली है। वही करे रिश्ते
आपकी करीब हो, अगर आप उरके
विदुन हे से कर आगे अप अरुण।
सुख नरुन

कुल पुर 12-4-16। सुख 4.00

दैनिक भास्कर

आप पढ़ रहे हैं देश का सबसे विश्वसनीय और नंबर 1 अखबार

हरियाणा

संकेत	25,402.52	₹
दिवस	25,402.52	₹
संकेत	25,025	₹
संकेत	25	₹
संकेत	14,700	₹
संकेत	14,700	₹
संकेत	60.30	₹
संकेत	60.30	₹
संकेत	70.60	₹
संकेत	70.60	₹

dainikbhaskar.com

पानीपत

जुलवार, 19 नवंबर, 2015, कार्तिक, शुक्ल पक्ष - अष्टमी, 2072

न्यूज हीट

दिनेश कुमार को प्रतिष्ठित होमी जहांगीर भाभा पुरस्कार नई दिल्ली | फरीदाबाद स्थित वाईएमसीए विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. दिनेश कुमार का चयन प्रतिष्ठित होमी जहांगीर भाभा स्मृति पुरस्कार के लिए हुआ है। पीएम मोदी 3 जनवरी को उन्हें सम्मानित करेंगे।

डा. दिनेश कुमार होमी भाभा मेमोरियल पुरस्कार के लिए हुए चयनित

फरीदाबाद। वाईएमसीए विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विवि



के कुलपति डा. दिनेश कुमार को
भारतीय विज्ञान सम्मेलन समिति
(इस्का) कोलकाता द्वारा वर्ष 2015
के होमी जे. भाभा स्मृति पुरस्कार
के लिए चयनित किया गया है।

डा. दिनेश कुमार को यह प्रतिष्ठित
पुरस्कार देश में विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी
विकास विशेष रूप से माइक्रोइलेक्ट्रॉनिक इंजीनियरिंग
एवं सेमीकंडक्टर फिजिक्स के क्षेत्र में अनूठे योगदान
के लिए दिया जा रहा है। डा. कुमार को यह प्रतिष्ठित
पुरस्कार 3 जनवरी 2016 को मैसूर में होने वाले
भारतीय विज्ञान सम्मेलन के 103वें उद्घाटन समारोह
में पीएम नरेन्द्र मोदी देंगे। इस्का की सदस्यता मामले
की महासचिव डा. नीलांशु बासु के अनुसार इस्का उन
भारतीय वैज्ञानिकों के कार्य (ज्ञान) की सराहना करती
है, जो विपरीत परिस्थितियों में साहस से काम करते
हुए दीपक के समान प्रकाशित होते हैं। भारतीय विज्ञान
सम्मेलन समिति (इस्का) भारत सरकार के विज्ञान
एवं तकनीकी मंत्रालय की एक व्यावसायिक संस्था है।
इसकी स्थापना वर्ष 1914 में दो ब्रिटिश रसायनज्ञों प्रो.
सिमनसेन व प्रो. मैकमोहन ने की थी।

डॉ. दिनेश को होमी भाभा स्मृति पुरस्कार

जागरण संवाददाता, फरीदाबाद : वाइएमसीए विज्ञान व प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, फरीदाबाद के कुलपति डॉ. दिनेश कुमार अग्रवाल को भारतीय विज्ञान सम्मेलन समिति (इस्का), कोलकाता ने वर्ष 2015 के होमी जहांगीर भाभा स्मृति पुरस्कार के लिए चुना है। विज्ञान व प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में माइक्रोइलेक्ट्रॉनिक इंजीनियरिंग व सेमीकंडक्टर फिजिक्स के क्षेत्र में अनूठे योगदान के लिए उन्हें यह पुरस्कार दिया जा रहा है।

3 जनवरी, 2016 को मैसूर में प्रस्तावित भारतीय विज्ञान सम्मेलन के उद्घाटन समारोह में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी उन्हें यह पुरस्कार प्रदान करेंगे। पलवल में जन्मे डॉ. दिनेश ने पिछले माह वाइएमसीए विश्वविद्यालय फरीदाबाद के कुलपति के तौर पर पदभार संभाला है। इससे पहले वह कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय में इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी के निदेशक थे।

लैपटॉप और एलईडी तकनीक : कंप्यूटर व लैपटॉप में लगने वाली माइक्रोचिप के गर्म होने की समस्या के लिए डॉ. दिनेश ने अहम शोध किया है। इसे ठंडा रखने के लिए लैपटॉप व कंप्यूटर में पंखा लगाना पड़ता है जिससे उनका आकार बड़ा हो जाता है। डॉ. दिनेश की 'डिफ्यूजन बैरियर' तकनीक से समस्या का समाधान

♦ पलवल में जन्मे वैज्ञानिक को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी करेंगे सम्मानित

माइक्रो तकनीक मनुष्य के जीवन को आसान बना सकती



है। इस दिशा में शोध की अभी काफी संभावनाएं हैं। वाइएमसीए यूनिवर्सिटी के

कुलपति के तौर पर यहां भी शोध को बढ़ावा देने के लिए प्रयासरत हूं।

- डॉ. दिनेश कुमार अग्रवाल, कुलपति, वाइएमसीए विश्वविद्यालय, फरीदाबाद

निकल आया और अब उसका बड़े स्तर पर प्रयोग हो रहा है। इसके अलावा एलईडी बल्ब की रोशनी को अधिक चमकदार बनाने के लिए भी डॉ. दिनेश ने शोध किया है। इन दोनों योगदान के लिए ही उन्हें इस पुरस्कार के लिए चुना गया। 'इस्का' केंद्र सरकार के विज्ञान व तकनीकी मंत्रालय की व्यावसायिक संस्था है। वर्ष 1914 में रसायन शास्त्र के प्रोफेसर जेएल सिमनसेन तथा प्रोफेसर पीएस मैकमोहन ने देश में विज्ञान के विकास के लिए इसकी स्थापना की थी।

वाईएमसीए कुलपति दिनेश को सम्मानित करेंगे पीएम

फरीदाबाद | कार्यालय संवाददाता

वाईएमसीए विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. दिनेश कुमार को भारतीय विज्ञान सम्मेलन समिति (इस्का) की ओर से वर्ष 2015 के होमी जे. भाभा स्मृति पुरस्कार के लिए चुना गया है। तीन जनवरी 2016 को मैसूर में होने वाले 103वें भारतीय विज्ञान सम्मेलन में प्रधानमंत्री मोदी उन्हें यह सम्मान देंगे। विश्वविद्यालय के प्रवक्ता ने जारी बयान में यह जानकारी दी।

उन्होंने बताया कि देश में विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विकास में अनूठे योगदान के लिए उन्हें इस प्रतिष्ठित पुरस्कार के लिए

चयनित किया गया है। गौरतलब है कि इस्का भारत सरकार के विज्ञान एवं तकनीकी मंत्रालय की एक व्यावसायिक संस्था है, जिसकी स्थापना वर्ष 1914 में की गई थी। समिति वर्ष 1989 से भारतीय वैज्ञानिक होमी जे. भाभा के सम्मान में विज्ञान और प्रौद्योगिकी के विकास में सहयोग देने वाले वैज्ञानिकों को यह पुरस्कार देती है। डॉ. दिनेश नैनो विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में विशेष पहचान बना चुके हैं। वह शिक्षण एवं शोध के क्षेत्र में 27 वर्षों से सक्रिय हैं। फ्रांस, जर्मनी, इटली, ऑस्ट्रिया, इंग्लैंड, अमेरिका, रूस और ऑस्ट्रेलिया में हुए कई सम्मेलनों का हिस्सा बन चुके हैं।

PUNJAB KESARI

डा. दिनेश कुमार होमी जहांगीर भाभा स्मृति पुरस्कार के लिए चयनित

फरीदाबाद, 18 नवम्बर (सूरजमल): वाई.एम.सी.ए. विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, फरीदाबाद के कुलपति डा. दिनेश कुमार को भारतीय विज्ञान सम्मेलन समिति (इस्का), कोलकाता द्वारा वर्ष 2015 के होमी जहांगीर भाभा स्मृति पुरस्कार के लिए चयनित किया गया है।

उन्हें यह पुरस्कार 3 जनवरी को मैसूर में होने वाले 103वें भारतीय विज्ञान सम्मेलन के उद्घाटन समारोह में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा प्रदान किया जाएगा।

भारतीय विज्ञान सम्मेलन समिति के सदस्यता मामलों के महासचिव डा. नीलांशु बासु के अनुसार डा. दिनेश कुमार को यह प्रतिष्ठित पुरस्कार देश

में विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विकास, विशेष रूप से माइक्रोइलेक्ट्रॉनिक इंजीनियरिंग एवं सैमीकंडक्टर फिजिक्स के क्षेत्र में अनूठे योगदान के लिए दिया जाएगा।

न्यूज डायरी

होमी जहांगीर भाभा स्मृति पुरस्कार
के लिए डॉ. दिनेश चयनित

चंडीगढ़। वाईएमसीए विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, फरीदाबाद के कुलपति डॉ. दिनेश कुमार को भारतीय विज्ञान सम्मेलन समिति (इस्का), कोलकाता की ओर से साल 2015 के होमी जहांगीर भाभा स्मृति पुरस्कार के लिए चयनित किया गया है। तीन जनवरी, 2016 को उन्हें यह पुरस्कार मैसूर में आयोजित होने वाले 103 वें भारतीय विज्ञान सम्मेलन में प्रदान किया जाएगा।